Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding encroachment on small rivers and nallahs causing floods in the country.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): माननीय अध्यक्ष महोदय, भगवान भी बिहार का अलग-अलग तरीके से परीक्षा लेता रहता है और बिहारवासियों का तो पूरे तौर पर परीक्षा चलता ही रहता है। कोविड की मार तो भारतवर्ष पर पड़ी ही है और बिहार पर भी इसका बहुत असर पड़ा है। उसके बाद बाढ़ के प्रकोप ने हमारे इलाके को मार डाला। अब तो एक और परीक्षा आने वाली है, जहां बिहार की जनता एक सही निर्णय करेगी, जो चुनाव का है। परीक्षा का दौर तो बिहार में चल ही रहा है। नेपाल के साथ हमारा जो रिश्ता है, वह तो है ही, लेकिन, जब पानी वहां से चलता है और नदियों के बैराज को तोड़ता हुआ, सारण जिला बिल्कुल छोर पर है, पानी बांध तोड़कर सवा सौ-डेढ़ सौ किलोमीटर तक चलकर हमारे यहां आकर जमा हो जाती है और बाढ़ आ जाता है। जहां बाढ़ का पानी टूटता है, वहां पानी नहीं रूकता है, जो निचला क्षेत्र होता है, उसमें आकर पानी रूक जाता है। वैसे इस बार बिहार सरकार ने कोविड से भी लड़ने के लिए काफी प्रयास किए हैं तथा बाढ़ आने के बाद छ: हजार रुपये सभी प्रभावित लोगों को दिए हैं । मेरे जिले में 44000 लोगों को छ: हजार रुपये दिए गए हैं। बिहार सरकार ने जिस प्रकार से किचन चलाया, वह बहुत अच्छा प्रयास था। लेकिन, मैं केंद्र सरकार से यह आग्रह करूंगा कि यह पूरे भारतवर्ष का संकट बनता जा रहा है। भारतवर्ष में जो छोटी नदियां हैं, नाले हैं, पईन हैं, उन पर अतिक्रमण हो रहा है, लोग उन पर घर बना रहे हैं, सड़क बना रहे हैं, लेकिन, सरकार ध्यान नहीं दे रही है। एक केंद्रीय कानून बनाने की जरूरत है, जो राज्य सरकारों के लिए मॉडल कानून का काम करे। पूरे भारतवर्ष में ऐसे छोटे-छोटे नालें और नदियों, जिनको धीरे-धीरे लोग अतिक्रमित कर रहे हैं, उनको बचाने की प्रक्रिया भारत सरकार को कदम उठाकर करना होगा, ताकि राज्य सरकार उस मॉडल कानून को अपने यहां लागू करे और बाढ़ के प्रकोप के कारण और जिस प्रकार नैचुरल फ्लोज को रोका जा रहा है, उस पर रोक लगाई जा सके। यह मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री कुलदीप राय शर्मा,

डॉ. निशिकांत दुबे और

श्री मलूक नागर को श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।